भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)

11 अशोक रोड़, नई दिल्ली-110001

दिनांक : 04 दिसंबर, 2015

भारतीय जनता के राष्ट्रीय सचिव, श्री श्रीकांत शर्मा द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य

भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचारमुक्त सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है। **भ्रष्टाचार पर भाजपा की नीति 'जीरो टोलेरंस' की है।** दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी न सिर्फ भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है बल्कि वह भ्रष्टाचारियो को बचाती भी है। कांग्रेस के भ्रष्टाचार का ताजा मामला केरल के मुख्यमंत्री ओमन चांडी का है। सोलर पैनल घोटाले के मुख्य अभियुक्त ने चांडी को 5.5 करोड़ रुपये घूस देने का आरोप लगाया है। उसने सोलर पैनल घोटाले की एक अन्य अभियुक्त के साथ चांडी के संबंध होने की बात भी कही है। **इस खुलासे के बाद चांडी मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार खो चुके हैं। चांडी को तत्काल ही अपने पद से इस्तीफा देकर जांच में सहयोग करना चाहिए।**

भारतीय जनता पार्टी चांडी के त्यागपत्र की मांग करते हुए सोलर पैनल घोटाले की निष्पक्ष और समयबद्ध ढंग से सीबीआई जांच की मांग करती है ताकि भ्रष्टाचार करने वालों को शीघ्र सजा दिलाई जा सके। हैरानी की बात है कि केरल के सोलर पैनल घोटाले में मुख्यमंत्री ओमन चांडी पर गंभीर आरोप सामने आने के बाद भी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उपाध्यक्ष राहुल गांधी मौन हैं। राजनितिक के मामले उठाकर संसद की कार्यवाही में व्यवधान डालने वाली कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की भ्रष्टाचार के मामलों पर चुप्पी शर्मनाक है। इससे पहले आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति के मामले में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के खिलाफ मनी लांडरिंग के मामले पर भी सोनिया और राहुल मौन रहे हैं। हिमाचल प्रदेश की जनता की मांग के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व ने भ्रष्टाचार के आरोपी मुख्यमंत्री बीरभद्र सिंह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस नेतृत्व

बीरभद्र सिंह के भ्रष्टाचार और कालेधन पर अपनी मौन स्वीकृति दे रहा है। इसी तरह उत्तराखंड के मुख्यमंत्री हरीश रावत के वैयक्तिक सचिव के शराब माफिया से रिश्वत लेते रंगे हाथ पकडे जाने पर भी कांग्रेस नेतृत्व मौन साधे रहा है। कालेधन पर घड़ियाली आंसू बहाने वाली कांग्रेस पार्टी यूपीए सरकार में केंद्रीय मंत्री रहीं परणीति कौर के स्विस बैंक खातों में जमा कालेधन के मामले को भी सोनिया और राहुल मूकदर्शक रहकर देख रहे हैं।

भ्रष्टाचार के मामलों पर **कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। क्या कांग्रेस नेतृत्व इसलिए मौन है कि उसे इन घोटालों से हिस्सा मिला ? देश की जनता जानना चाहती है कि कांग्रेस नेतृत्व को इन घोटाले से कितना हिस्सा मिला ? जनता जानना चाहती है कि सोनियाजी और राहुलजी आपकी वह कौन सी मजबूरी है जिसकी वजह से आप भ्रष्टाचार के आरोपी कांग्रेस के तीन-तीन मुख्यमंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई का साहस नहीं दिखा पा रहे हैं ? दुष्प्रचार में माहिर राहुल गांधी की भ्रष्टाचार पर चुप्पी शर्मनाक है। इससे कांग्रेस के दोहरे मापदंड भी उजागर हो गए हैं। एक बार फिर साबित हो गया है कि टूजी, सीडब्ल्यूजी और आदर्श जैसे बड़े-बड़े घोटाले अंजाम देने वाली कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार के आरोपियों को संरक्षण देती है।**

(इंजी अरुण कुमार जैन)
कार्यालय सचिव